HINDUSTAN, Hamirpur, 1.1.2024
Page No. 4, Size:(29.83)cms X (14.10)cms.

खेतीपाती व वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में दिखेंगे बदलाव

- सोमवार को नए साल की सुबह के साथ शुरू होगा चुनौतियों का दौर
- सौर ऊर्जा के दो प्लांटों की पड़ेगी नींव, 150 मेगावाट बनेगी बिजली

हमीरपुर, संवाददाता। जनपद में 2024 में सौर ऊर्जा के दो पावर प्लांटों की स्थापना की नींव पड़ जाएगी। इनमें एक पावर प्लांट मौदहा तहसील के बैजेमऊ से निकली केन नदी किनारे गेल इंडिया द्वारा 100 मेगावाट और दूसरा मौदहा डैम में सतलुज जल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) द्वारा 50 मेगावाट का प्लांट प्रस्तावित है। दोनों प्लांटों के लिए संबंधित कंपनियों ने राज्य सरकार से एमओयू साइन किया हुआ है। इन प्लांटों में बनने वाली बिजली ग्रिड को सप्लाई की जाएगी। अभी मौजूदा समय में जनपद में सौर ऊर्जा के तीन प्लांटों सुमेरपुर में पांच, बेरी में 15 और धगवां (सरीला) में पांच मेगावाट बिजली बनाई जा रही है। सोलर ऊर्जा से जनपद में बड़े पैमाने पर अनुदानित पंप भी किसानों को मुहैया कराए गए हैं, जिससे किसान कम खर्च में खेतों की सींच कर पा रहे हैं।

कारपोरेशन के सुदृढ़ीकरण में खूब बहाया गया पैसा: बिजली विभाग ने भी इस साल बिजली को सुदृढ़ीकरण में खूब पैसा बहाया लेकिन अभी भी सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। खासतौर से जनपद मुख्यालय के टाउन फीडर के मशीनें जर्जर हैं, जिनसे सप्लाई बाधित होती है। आरडीएसएस योजना के तहत शासन ने जनपद को 87.43 करोड़ की धनराशि प्रदान की। हमीरपुर खंड को 45.58 और राठ को 41.85 करोड़ की धनराशि दी गई। जिसमें बिल पोल, एबी केबिल लगाने का कार्य व फीडर स्पलीटिंग के कार्य किए गए। सब स्टेशनों की क्षमता वृद्धि, 33 व11 केवी लाइनों के निर्माण और ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि में भी कारपोरेशन को 163.62 लाख की धनराशि मिली। **नलकूपों की खराबी से किसान मायूस:** सालों से एक सैकड़ा से अधिक राजकीय नलकूप रिबोर के इंतजार में ठप पड़े हैं। इन नलकूपों की 4 हजार हेक्टेयर जमीन को सिंचाई का इंतजार है।

करहिया-खंडेह से निकली अर्जुन सहायक परियोजना की नहर, जो अभी तक चालू नहीं हो सकी है।

अरहर उत्पादन में भी अग्रणी होगा जनपद

बुंदेलखंड क्षेत्र में दलहन की फसल का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है। इसे देखते हुए शासन ने जनपद को अरहर पैदावार के लिए जीआई टैग से नवाजा है। टैग जहां दाल की विशेषता व भौगोलिक क्षेत्र को प्रदर्शित करेगा, वहीं कानूनी संरक्षण भी प्राप्त होगा। गतवर्ष की तुलना में इस साल किसानों ने 19 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में अरहर की फसल बोई है।

आईसीयू का ताला खुलने का इंतजार

नए साल में जिला अस्पताल में तैयार हो चुके आईसीयू वार्ड का ताला खुलने की भी प्रतीक्षा रहेगी। सांसद निधि से तीस लाख खर्च करके आठ बेड का आईसीयू वार्ड तैयार किया गया है। जिसमें सभी तरह की मशीनें तो लग चुकी हैं, लेकिन प्रशिक्षित स्टाफ का अभाव होने से अभी इसका संचालन संभव नहीं दिख रहा है।

DAINIK JAGRAN, Banda, 1.1.2024
Page No. 2, Size:(9.21)cms X (19.33)cms.

हमीरपुर में लगेगा सौर ऊर्जा प्लांट, टीम ने किया सर्वे

- मौदहा में 100 व राठ क्षेत्र में 50 मेगावाट का लगेगा प्लांट
- ग्राम समाज भूमि की तलाश, जरूरत पर लीज पर लेंगे

जासं, हमीरपुर : जिले में गेल इंडिया 100 मेगावाट का सौर ऊर्जा प्लांट लगाएगा। इसके लिए मौदहा तहसील के बैजेमऊ गांव में केन नदी के बीहड़ों में ग्राम समाज की जमीन की तलाश जारी है। वहीं इस प्लांट के लिए पांच सौ एकड़ भूमि की जरूरत है। अभी तक 327 एकड़ जमीन चिह्नित भी हो चुकी है। राठ तहसील के अंतर्गत आने वाले गुंदेला गांव में भी 50 मेगावाट का एक और सौर ऊर्जा का प्लांट प्रस्तावित है, जिसे सतलुज जल बिजली वितरण निगम लिमिटेड (एसजेवीएनएल) द्वारा तैयार किया जाएगा। सौर ऊर्जा से बनने वाली बिजली पावर ग्रिड को सप्लाई होगी।

प्रदेश सरकार के साथ एमओयू साइन होने के बाद ही पब्लिक सेक्टर की इन दोनों कंपनियों ने काम में तेजी दिखाई है। बीते दिनों दिल्ली से आई गेल इंडिया की टीम ने केन नदी के किनारे सर्वे भी किया था। वहीं नेडा के परियोजना अधिकारी आरबी सिंह ने बताया कि गेल इंडिया के मैनेजर अमित मालवीय के नेतृत्व में एक टीम ने बैजेमऊ गांव में जमीन का सर्वे किया था। अभी तक 327 एकड़ जमीन चिह्नित हुई है। कंपनी को कुल 500 एकड़ जमीन की आवश्यकता है, जिसमें प्लांट बनेगा। उन्होंने बताया कि प्रयास होगा कि ग्राम समाज की ही भूमि मिले। अगर किसी किसान की जमीन प्लांट के अंतर्गत आती है तो उसे लीज पर ले लिया जाता है। इसके अलावा राठ तहसील के गुंदेला गांव में मौदहा बांध के आसपास 50 मेगावाट का एक और प्लांट प्रस्तावित है। इस प्लांट का निर्माण सतलुज जल बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। यहां भी सर्वे हो चुका है। जल्द ही प्लांट का काम भी शुरू हो जाएगा। इसके अलावा सुमेरपुर में पांच मेगावाट लोहिया डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा, बेरी गांव में 15 मेगावाट का उत्पादन अज्योर पावर ज्यूपिटर प्राइवेट लिमिटेड वहीं तीसरा प्लांट सरीला के धगवां गांव में पांच मेगावाट सौर ऊर्जा है।

उद्योग विभाग का दफ्तर ● जागरण

DAINIK BHASKAR, Patna, 1.1.2024
Page No. 6, Size:(26.87)cms X (10.46)cms.

भास्कर खास • 5% वैट कम होने पर सीएनजी 87.04 से घट 82.69 जबकि पीएनजी 56.88 की जगह 54.03 रु. किलो मिलेगी

सीएनजी और पीएनजी गैस की कीमत होगी कम, गेल ने बिहार सरकार को 5% वैट घटाने का दिया प्रस्ताव... 60 हजार परिवारों को होगा लाभ

- दिल्ली में 0% जबकि बिहार में 20% लग रहा वैट

राजू कुमार | पटना

पटना में लोगों को सीएनजी दिल्ली से भी महंगी मिल रही है। वजह दिल्ली में सीएनजी पर वैट नहीं लगता जबकि पटना में 20% वैट लिया जा रहा है। सीएनजी पर सबसे अधिक वैट लेने वाले राज्यों में आंध्रप्रदेश टॉप पर है तो बिहार का पटना दूसरे नंबर पर है। आंध्रप्रदेश में सीएनजी पर 23% वैट लिया जाता है। अगर पड़ोसी राज्य झारखंड में 14% और उत्तर प्रदेश की बात करें तो 10% वैट है। पटना में सीएनजी और पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए गेल कंपनी ने बिहार सरकार को करीब 5% वैट घटाने का प्रस्ताव दिया है। सरकार अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी देती है तो करीब 60 हजार से अधिक परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। राजधानी में 5% वैट कम होने पर सीएनजी 4.35 रु.और पीएनजी पर प्रति किलो 2.85 रुपए की बचत होगी। पटना में सीएनजी की कीमत 87.04 प्रति किलो से घटकर 82.69 हो जाएगी। जबकि पीएनजी 56.88 प्रति किलो से घटकर 54.03 हो जाएगी।

पटना में सीएनजी वाहनों की संख्या 40 हजार और पीएनजी कनेक्शन 20 हजार हैं

पांच सालों में 23.57 रुपए प्रति किलो सीएनजी की कीमत बढ़ गई है

पेट्रोल और डीजल की तुलना में सीएनजी की कीमत कम होने के कारण लोग सीएनजी वाले ऑटो और कार तेजी से खरीद रहे हैं। वर्ष 2019 में सीएनजी 63.47 रुपए प्रति किलो थी। वर्तमान में यह 87.04 प्रति किलो मिल रहा है। यानी पांच साल में प्रति किलो 23.57 रुपए कीमत बढ़ी।

ऑटो चालक बोले- 90 रुपए से पार किया तो और बढ़ेगा किराया

ऑटो चालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि शहर में वायु प्रदूषण कम करने के नाम पर सीएनजी ऑटो की संख्या बढ़ाई जा रही है। अभी भी पटना जिला में पेट्रोल ऑटो सड़क पर चल रही है। अगर सीएनजी की कीमत इसी तरह बढ़ती रही तो पेट्रोल ऑटो मालिक सीएनजी में कन्वर्ट नहीं कराएंगे।

इन स्थानों पर सीएनजी स्टेशन रूकनपुरा, दीघा, दानापुर, कंकड़बाग, बाइपास, बीहटा, नौबतपुर, मसौढ़ी, परसा बाजार, बाइपास भुतनाथ, बाढ़, फतुहा, बख्तियारपुर, ट्रांसपोर्ट नगर, जीरो माइल और गोला रोड एक-एक सीएनजी स्टेशन चालू है।

यह भी जानिए

- 35000 सीएनजी ऑटो
- 5000 सीएनजी मोटर कार
- 150 से अधिक सीएनजी बस
- 17000 घरों में पीएनजी से खाना बन रहा है
- हर दिन एक लाख किलो सीएनजी की खपत

जानिए कहां कितना वैट

आंध्र	23%	यूपी	10%
पटना	20%	महाराष्ट्र	3%
झारखंड	14%	दिल्ली	0%

DAINIK BHASKAR, Ranchi, 1.1.2024
Page No. 7, Size:(25.14)cms X (9.70)cms.

भास्कर ब्रेकिंग • 5% वैट कम होने पर सीएनजी 87.04 से घट 82.69 जबकि पीएनजी 56.88 की जगह 54.03 रु. किलो मिलेगी

सीएनजी और पीएनजी गैस की कीमत होगी कम, गेल ने बिहार सरकार को 5% वैट घटाने का दिया प्रस्ताव... 60 हजार परिवारों को होगा लाभ

- दिल्ली में 0% जबकि बिहार में 20% लग रहा वैट

राजू कुमार | पटना

पटना में लोगों को सीएनजी दिल्ली से भी महंगी मिल रही है। वजह दिल्ली में सीएनजी पर वैट नहीं लगता जबकि पटना में 20% वैट लिया जा रहा है। सीएनजी पर सबसे अधिक वैट लेने वाले राज्यों में आंध्रप्रदेश टॉप पर है तो बिहार का पटना दूसरे नंबर पर है। आंध्रप्रदेश में सीएनजी पर 23% वैट लिया जाता है। अगर पड़ोसी राज्य झारखंड में 14% और उत्तर प्रदेश की बात करें तो 10% वैट है। पटना में सीएनजी और पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए गेल कंपनी ने बिहार सरकार को करीब 5% वैट घटाने का प्रस्ताव दिया है। सरकार अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी देती है तो करीब 60 हजार से अधिक परिवारों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। राजधानी में 5% वैट कम होने पर सीएनजी 4.35 रु.और पीएनजी पर प्रति किलो 2.85 रुपए की बचत होगी। पटना में सीएनजी की कीमत 87.04 प्रति किलो से घटकर 82.69 हो जाएगी। जबकि पीएनजी 56.88 प्रति किलो से घटकर 54.03 हो जाएगी।

पटना में सीएनजी वाहनों की संख्या 40 हजार और पीएनजी कनेक्शन 20 हजार हैं

पांच सालों में 23.57 रुपए प्रति किलो सीएनजी की कीमत बढ़ गई है

पेट्रोल और डीजल की तुलना में सीएनजी की कीमत कम होने के कारण लोग सीएनजी वाले ऑटो और कार तेजी से खरीद रहे हैं। वर्ष 2019 में सीएनजी 63.47 रुपए प्रति किलो थी। वर्तमान में यह 87.04 प्रति किलो मिल रहा है। यानी पांच साल में प्रति किलो 23.57 रुपए कीमत बढ़ी।

ऑटो चालक बोले- 90 रुपए से पार किया तो और बढ़ेगा किराया

ऑटो चालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि शहर में वायु प्रदूषण कम करने के नाम पर सीएनजी ऑटो की संख्या बढ़ाई जा रही है। अभी भी पटना जिला में पेट्रोल ऑटो सड़क पर चल रही है। अगर सीएनजी की कीमत इसी तरह बढ़ती रही तो पेट्रोल ऑटो मालिक सीएनजी में कन्वर्ट नहीं कराएंगे।

इन स्थानों पर सीएनजी स्टेशन | रूकनपुरा, दीघा, दानापुर, कंकड़बाग, बाइपास, बीहटा, नौबतपुर, मसौढ़ी, परसा बाजार, बाइपास भुतनाथ, बाढ़, फतुहा, बख्तियारपुर, ट्रांसपोर्ट नगर, जीरो माइल और गोला रोड एक-एक सीएनजी स्टेशन चालू है।

यह भी जानिए

- 35000 सीएनजी ऑटो
- 5000 सीएनजी मोटर कार
- 150 से अधिक सीएनजी बस
- 17000 घरों में पीएनजी से खाना बन रहा है
- हर दिन एक लाख किलो सीएनजी की खपत

जानिए कहां कितना वैट

आंध्र	23%	यूपी	10%
पटना	20%	महाराष्ट्र	3%
झारखंड	14%	दिल्ली	0%